

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आजु भिन्हीं गुजरात के अहमदाबाद सिविल अस्पताले गइलें अउर एयर इंडिया विमान दुर्घटना क घाही लोगिन से मुलाकाति कइलें। प्रधानमंत्री सोसल मीडिया पोस्ट में कहलें कि अहमदाबाद में भइल हवाई हादसा से पूरा देस स्तब्ध हो। उहां के सोक संतप्त परिवार लोगिन के प्रति संवेदना जतवले हई। श्री मोदी दुर्घटना वाले जगहियो क दौरा कइलें अउर ओइजा बचाव कार में लागल अधिकारियन आ अउरियो लोगिन से मुलाकाति कइ के हालति क जायजा लिहलें। बाद में प्रधानमंत्री अहमदाबाद में अधिकारियन के साथे समीक्षा बइठकी कइलें। उहां के हादसा में मारल गइल गुजरात क पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के परिवार के लोगिन से मिललीं।

प्रधानमंत्री दुर्घटना में बचल खाली एगो यात्री भारतीय मूल क ब्रिटिश नागरिक विश्वास कुमार रमेश से अस्पताले जा के मुलाकाति कइलें। विश्वास दुर्घटना से जुड़ल अनुभव के बारे में प्रधानमंत्री के बतवलें। येह बिच्चे, विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान हादसा क औपचारिक जांचि सुरू कइ दिहले हो। एगो रिपोर्ट—

नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने बताया कि जांच अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन की निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप की जाएगी। एयर इंडिया ने अहमदाबाद से लंदन जा रहे विमान की दुर्घटना में 241 लोगों की मृत्यु होने की पुष्टि की है। इस हादसे में प्रदेश के आगरा जिले के अकोला निवासी दंपति की भी मृत्यु हुई है। विमान कल दिन में अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान में यात्री और चालक दल सहित कुल 242 लोग सवार थे। यात्रियों में भारत के 169, ब्रिटेन के 53, पुर्तगाल के सात और कनाडा का एक नागरिक था। आकाशवाणी समाचार कक्ष से मैं वेद प्रकाश पाठक।

अहमदाबाद विमान हादसा के बाद पूरा देस में सोक क माहौल बाटे। प्रदेस क कई गो अलगि-अलगि संगठन हादसा क सिकार लोगिन के सरधांजलि देत उनके परिवारन के प्रति संवेदना जता रहल हवें। येही क्रम में आजु लखनऊ के मस्जिद न जूमे क नमाज के बाद विमान हादसा के मृतकन के सरधांजलि दीहल गइल। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया क अध्यक्ष खालिद रशीद फरंगी महली भी जूमे क नमाज के बाद दुआ कइलें।

जो लोग मारे गये हैं उनके घरवालों के साथ हम लोग अपनी पूरी हमदर्दी का इजहार करते हैं। और उनके घरवालों को ऊपरवाला सब्र अदा फरमाए। उसकी भी हम लोग दुआ करते हैं।

बनारस जिला में नमामि गंगे महर्षि योगी वेद विज्ञान विद्यापीठ के परिसर में वेदपाठी बटुकन के साथे सान्ति पाठ कइ के अहमदाबाद विमान हादसा के मृतकन के सरधांजलि दिहलें। सज्जो लोगि बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना कइलें कि अइसन हादसा फेर से न होखे। नमामि गंगे क काशी क्षेत्र क संयोजक राजेश शुक्ला हादसा के जांचि क मांग कइलें।

गोरखपुर से लखनऊ क सफर अब अउरियो सरल अउर सुगम हो जाई। एकरे खातिर गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे बनि के तइयार हो गइल हो। ई गोरखपुर जिला के सोझै पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जोड़ी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सतरह जून के एकर लोकार्पण करिहें। आधिकारिक सूत्र बतवलें कि एकयानबे किलोमीटर लमहर येह लिंक एक्सप्रेस-वे के दुन्नो ओरि इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बसावल जा रहल हो। एकर सुरूआति से न त खाली गोरखपुर से लखनऊ क दूरी कम समय में पूरा कइल जा सकी बलुक पूरबी उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकासो के गति मिली।

कुशीनगर जिला के तमकुही इलाका के रजवटिया गांव में बहत्तर एकड़ में बहुदेशीय मॉडल हब बनावल जाई। ई जनकारी ओइजा क जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर दिहलें। उहां के बतवलीं कि हब के बनि गइले से सीमावर्ती गांव क विकास होई। सथहीं स्थानीय लोगिन बदे रोजिगार क नया मौका उपलब्ध होई। कई गो सुविधा वाला बहुदेशीय मॉडल हब से स्थानीय स्तर पर रोजिगारो के बढ़ावा मिली।

एकइस जून के मनावल जाये वाला अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में हप्ता भर योग से जुड़ल सैद्धांतिक अउर ब्यौहारिक गतिविधियन क आयोजन होई। ई जनकारी आजु मंदिर क प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ दिहलें। उहां के बतवलीं कि योग सिविर अउर कार्यासाला क सुरूआति पनरह जून से होई। सज्जो गतिविधियन क आयोजन गोरक्षपीठाधीश्वर अउर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में हो रहल हो।

प्रदेस के पूरबी अउर पच्छिमी इलाकन में आजु दिन में भइल बरखा से लोगिन के भीसण गरमी अउर उमस से राहत मिलल। गोरखपुर जिला में भिन्हीं से तेज घाम अउर उमस से जन-जीवन परभावित रहल, हलाकि दुपहरिया बाद गरज-चमकि के साथे भइल बरखा से लोगि राहत क सांस लिहलें। बदायूं जिला के जियादेतर इलाकन में मध्यम से ले के तेज बरखा क सिलसिला जारी रहल। अमरोहा जिला में भिन्हीं से बादर छावे लागल अउर दुपहरिया बाद तेज बेयारि के साथे बरखा भइल। पीलीभीत जिला के सथहीं प्रदेस के कई गो अउरियो जिलनों में बरखा क समाचार मिलल हो। येह बिच्चे, मौसम विज्ञान विभाग पूरबी उत्तर प्रदेश में आजु अउर बिहने कहीं-कहीं पनरह अउर सोरह जून के कुछ जगहिन पर, जबकि सतरह जून से ओन्नइस जून ले कई जगहिन पर गरज-चमकि के साथे बौछार परले अउर बरखा क ओम्मेद जतावल जतवले हो।
